vinetur

संघीय नियामकों का कहना है : उत्पादन के दौरान 0.5% ABV से ऊपर जाने पर कोम्बुचा बीयर मानी जाएगी

TTB का कहना है कि प्रक्रिया के किसी भी चरण में सीमा पार करने पर ब्रुअर पंजीकरण, लेबलिंग नियम और रिकॉर्ड-रखरखाव की बाध्यताएँ लागू हो सकती हैं।

शुक्रवार, 25 सितंबर 2026



Alcohol and Tobacco Tax and Trade Bureau का कहना है कि संघीय कानून के तहत कोम्बुचा को बीयर के रूप में विनियमित किया जाता है यदि उत्पादन के किसी भी चरण में इसकी अल्कोहल मात्रा 0.5% ABV से ऊपर चली जाती है, भले ही तैयार पेय बाद में फिर उस स्तर से नीचे आ जाए।

यह मार्गदर्शन एजेंसी के कोम्बुचा सूचना पृष्ठ पर दिया गया है, जिसमें पेय को चाय, चीनी, बैक्टीरिया और यीस्ट की सहजीवी संस्कृति, जिसे अक्सर SCOBY कहा जाता है, और कभी-कभी अतिरिक्त फ्लेवरिंग्स से बनी एक किण्वित चाय बताया गया है। एजेंसी का कहना है कि 0.5% ABV से अधिक कोम्बुचा एक अल्कोहलिक पेय माना जाता है और TTB नियमों के अधीन है।

निर्माताओं के लिए मुख्य बात उस सीमा का समय है। TTB के अनुसार, कोम्बुचा जो "प्रक्रिया के किसी भी बिंदु पर" 0.5% ABV से अधिक हो जाता है, उसे बीयर माना जाता है। इसका मतलब है कि संघीय मानक केवल शेल्फ पर मौजूद उत्पाद की अल्कोहल मात्रा तक सीमित नहीं है। यदि किण्वन या किसी अन्य उत्पादन चरण के दौरान पेय सीमा पार करता है, तो निर्माता को ब्रुअर्स पर लागू नियमों के तहत संचालन के लिए तैयार रहना होगा।

एजेंसी के मार्गदर्शन में कहा गया है कि निर्माताओं को अपने उत्पादों की जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे 0.5% ABV से अधिक न हों, जब तक कि वे ब्रुअर के रूप में पंजीकृत न हों और सभी लागू नियमों का पालन न करें। इसमें यह भी कहा गया है कि अल्कोहलिक पेय के रूप में विनियमित कोम्बुचा उत्पादों को बीयर लेबलिंग नियमों का पालन करना होगा। TTB आगे कहता है कि उत्पादकों को सत्य और सटीक लेबलिंग करनी होगी, जिसमें जहां आवश्यक हो वहां अल्कोहल घोषणा भी शामिल है, साथ ही अनुपालन के समर्थन में रिकॉर्ड-रखरखाव भी करना होगा।

इसके विपरीत, TTB के अनुसार 0.5% ABV से नीचे बने रहने वाले कोम्बुचा उत्पादों को अल्कोहलिक पेय के रूप में विनियमित नहीं किया जाता। ये उत्पाद बीयर, वाइन और स्पिरिट्स पर लागू संघीय अल्कोहल ढांचे से बाहर आते हैं।

यह स्पष्टीकरण पेय बाजार के तेजी से बदलते हिस्से के लिए महत्वपूर्ण है, जहां उत्पादक कम-अल्कोहल पेयों, हाइब्रिड किण्वित उत्पादों और कोम्बुचा के बीयर-जैसे संस्करणों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे व्यवसायों के लिए, सक्रिय किण्वन के दौरान 0.5% ABV से ऊपर का अस्थायी उछाल ब्रुअर पंजीकरण और अन्य संघीय दायित्वों को ट्रिगर कर सकता है, भले ही अंतिम पैक किया गया पेय सीमा से नीचे बेचे जाने का इरादा हो। इससे उत्पादन योजना, परीक्षण कार्यक्रम, लेबलिंग के निर्णय और उत्पाद बनाने वाली सुविधा के चयन पर असर पड़ सकता है।

यह मुद्दा व्यावहारिक परिणाम देता है क्योंकि कोम्बुचा में अल्कोहल स्तर उत्पादन के दौरान और कुछ मामलों में पैकेजिंग के बाद भी बदल सकते हैं, यदि किण्वन पर कड़ा नियंत्रण न हो। TTB का मार्गदर्शन उत्पादकों पर यह जिम्मेदारी डालता है कि वे प्रक्रिया के पूरे दौरान, केवल अंत में ही नहीं, यह जानें कि उनके उत्पाद किस स्थिति में हैं। कोम्बुचा को गैर-अल्कोहलिक या लो-अल्कोहल पेय के रूप में विपणन करने वाली कंपनियों के लिए इसका मतलब किण्वन की अधिक निगरानी और यह दिखाने के लिए मजबूत दस्तावेज़ीकरण है कि यदि वे TTB के निरीक्षण से बाहर रहना चाहती हैं तो उत्पाद संघीय सीमा से नीचे ही रहा।

एजेंसी का पृष्ठ इस सीमा को नए मानक के रूप में प्रस्तुत नहीं करता। इसके बजाय, यह मौजूदा संघीय कानून के तहत कोम्बुचा निर्माताओं के लिए बुनियादी अनुपालन जानकारी और संसाधन संकलित करता है। फिर भी, TTB द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा उद्योग के लिए एक स्पष्ट रेखा खींचती है, यह कहते हुए कि 0.5% ABV की जांच उत्पादन प्रक्रिया के दौरान ही लागू होती है।

यह अंतर महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ उत्पादक मान सकते हैं कि नियामकीय प्रश्न केवल तैयार उत्पाद की अल्कोहल मात्रा पर निर्भर करता है। TTB की व्याख्या के तहत, यह पर्याप्त नहीं है। यदि कोम्बुचा उत्पादन के दौरान 0.5% ABV से अधिक हो जाता है, तो संघीय नियामकीय उद्देश्यों के लिए उस उत्पाद को बीयर माना जाएगा, और निर्माता को उस दर्जे के साथ आने वाली आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।

इन आवश्यकताओं में ब्रुअर पंजीकरण, बीयर लेबलिंग नियमों का पालन, और परीक्षण तथा नियामकीय समीक्षा को समर्थन देने के लिए रिकॉर्ड बनाए रखना शामिल हो सकता है। TTB का कहना है कि उसके द्वारा विनियमित उत्पादों के लेबल सत्य और सटीक होने चाहिए। एजेंसी यह भी इंगित करती है कि उत्पादकों को ऐसे परीक्षण और विश्लेषण की आवश्यकता है जो उनके पेयों की अल्कोहल मात्रा को समझने के लिए पर्याप्त मजबूत हों।

यह मार्गदर्शन विशेष रूप से छोटे कोम्बुचा कंपनियों और श्रेणी में नए प्रवेशकों के लिए प्रासंगिक है, जिनमें से कई ऐसे किण्वन तरीकों पर निर्भर हैं जो अल्कोहल स्तर में उतार-चढ़ाव पैदा कर सकते हैं। यह ब्रुअरीज और अन्य पेय कंपनियों के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है जो किण्वित चाय उत्पादों में विस्तार कर रही हैं, क्योंकि नियम इस बात पर निर्भर कर

सकते हैं कि उत्पाद टैंक में कैसा व्यवहार करता है, न कि इस पर कि अंततः उसका विपणन कैसे किया जाता है।

TTB की वेबसाइट इस जानकारी को एक अनुपालन संसाधन के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य कोम्बुचा निर्माताओं को अल्कोहलिक पेयों से जुड़ी संघीय बाध्यताओं को समझने में मदद करना है। 0.5% की सीमा के करीब स्थित उत्पादकों के लिए एजेंसी का संदेश सीधा है : पैकेजिंग पर ही नहीं, बल्कि उत्पादन के पूरे दौरान अल्कोहल स्तर पर नज़र रखें, और यह न मानें कि सीमा से नीचे का तैयार उत्पाद ब्रुअर नियमों से बच जाता है यदि पेय ने प्रक्रिया में पहले उस स्तर को पार किया था।